554835

कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या........................

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☑ अंग्रेजी ☐

विषय ......इतिहास......

परीक्षा का दिन ......सोमवार......

दिनांक ......18 मार्च 2024......

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा। (2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें। (3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15¼ को 16, 17½ को 18, 19¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	14	19	3
2	7	20	4
3	10	21	4
4	2	22	5
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	0
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंको का कुल योग (Round off)	
16	3	अंकों में	शब्दों में
17	3	80	अस्सी
18	3		

परीक्षक के हस्ताक्षर.................. संकेतांक 3 1 2 0 0

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज का उपयोग में लिया गया है। 177/2024

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी :–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - अ

उत्तर - 1

1. (i) राजस्थान (ब)
(ii) दो (अ)
(iii) चीन (अ)
(iv) सातवाहन (स)
(v) 23 (स)
(vi) पीटर मुंडी (स)
(vii) फ्रांस्वा बर्नीयर (स)
(viii) दिल्ली (अ)
(ix) 1336 (ब)
(x) यूनानियों के लिए (अ)
(xi) 1793 (ब)

11

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		(xii) जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड (द)
3		(xiii) " (ब)
		(xiv) बी. एन. राव (स)

<u>उत्तर - 2</u>

2. (i) चर्ट

(ii) दशपुर

(iii) बौद्ध

(iv) कर्नल कॉलिन मैकेन्जी

(v) ~~भारत~~ अमेरिका

(vi) लॉर्ड वेलेजली

(vii) पंडित जवाहर लाल नेहरू

<u>उत्तर - 3</u>

3. (i) सिन्धुवासियों का सुदूर क्षेत्रों से भी सम्पर्क था क्योंकि यह ताँबा तथा सो... जैसी चीजें बाहर से मगाँई जाती थी।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	(ii)	पाटलिपुत्र को वर्तमान में पटना कहा जाता है।
1	(iii)	मातृवंशिकता का अर्थ है - माताओं से जुड़ी हुई परम्परा। सातवाहन को उनके नाम से जाना जाता था।
1	(iv)	इब्न बतूता के अनुसार 'दावा' डाक व्यवस्था 'पैदल डाक' व्यवस्था थी।
1	(v)	शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह दिल्ली शहर में है।
1	(vi)	मन्दिर के प्रवेशद्वार को गोपुरम कहा जाता है।
1	(vii)	मुकद्दम या मंडल गाँव के मुखिया के लिए प्रयोग में लिया जाता था।
1	(viii)	1929 का कांग्रेस का लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज्य' की माँग के कारण महत्वपूर्ण था।
1	(ix)	गरीबों के साथ अपना तादात्म्य स्थापित करने के लिए गाँधीजी उनके सामने धोती पहनकर जाते थे तथा उनकी मुसीबत में सहायता भी करते थे।

BSER-17-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1		(x) राष्ट्रीय ध्वज के प्रस्ताव को संविधान सभा में जवाहर लाल नेहरू ने पेश किया था।
		खण्ड - ब
		उत्तर - 4
2	4.	सिन्धु सभ्यता का अन्त होने के कारण - (i) नदियों का सूख जाना (ii) जलवायु परिवर्तन होना (iii) बाढ़ आ जाना (iv) वनो की कटाई से।
		उत्तर - 5
2	5.	सिक्कों से ऐतिहासिक जानकारियां प्राप्त होती है क्योंकि प्राचीन काल के सिक्कों पर राजा की मूर्तियाँ उत्कीर्ण है तथा उन पर पुराने अवशेष के होने से सिक्कों से ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त होती है।
		उत्तर - 6
2	6	स्त्रीधन → स्त्री विवाह के पश्चात अपने पति के निवास स्थान पर रहती है तथा उसे वहीं पर धन मिल जाता है तथा उसे विवाह

[redacted]

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

में कन्यादान दिया जाता है, वधू गमन के समय भेंट दी जाती है, भ्राता माता-पिता द्वारा दिये गए उपहार को वह ग्रहण करती है जिसे स्त्रीधन कहते है।

उत्तर – 7

1+1 7 दो स्तूपों के (नाम) निम्न है -

(i) साँची का स्तूप

(ii) अमरावती का स्तूप

उत्तर – 8

2 8. इब्न बतूता ने वानस्पतिक उपज 'पान' का चित्रण करते हुए कहा है कि पान एक वानस्पतिक उपज है जिसका प्रयोग शाही घर परिवार तथा राजा के दरबार में किया जाता है। वहां पान को बड़ी महत्ता दी जाती है। इब्न बतूता ने इनके द्वारा प्रयोग किए गए पानों का वर्णन किया है। पत्ते पर रखकर खाया जाता है।

उत्तर – 9

2 9. चिश्ती सिलसिला को लोकप्रिय इसलिए माना जाता है क्योंकि शेख और मुरीद को आपस में मिला कर रखती है तथा एक जंजीर के रूप में माने जाते है। इस कारण से चिश्ती सिलसिला

BSEB-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

को लोकप्रिय बनाया है।

उत्तर - 10

(1/1) 10 विजयनगर साम्राज्य के दो राजकीय केन्द्रों के नाम प्रमुख है -
~~हजारराम मन्दिर महानवमी डिब्बा~~
(i) कमल (लोटस) महल
(ii)

(1/1)

उत्तर - 11

(1+1) 11 पोलज → पोलज भूमि वह है जिसे कभी खाली नहीं छोड़ा जाता है तथा उस पर निरन्तर खेती की जाती है।
परौती → परौती भूमि वह है जिसे कुछ दिनों के लिए खाली छोड़ दिया जाता है ताकि उसकी जमीन उपजाऊ बन सके।

उत्तर - 12

(2) 12 दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट, इतिहासकारों को उस मोड़ पर ला ले जाती है तथा वह सामग्री उपलब्ध कराती है जिसे सरकार भी नहीं झेल पाती है। दक्कन में दंगे होना शुरू हो गये तथा लोगों को नियंत्रण मे लेना कठिन हो गया था। दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट से यह सामग्री उपलब्ध है।

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर - 13

1+1 13 'उपनिवेशवाद और देहात' में कुदाल और हल से आशय है 'कुदाल' तो पहाड़िया लोगों के जीवन का प्रतीक था। जिससे वह झूम खेती करते थे। 'हल' संथालो के जीवन का प्रतीक था। जिससे वह स्थायी खेती करते थे।

उत्तर - 14

1+1 14 सहायक सन्धि की दो शर्तें निम्न है -
(i) सहायक सन्धि के दौरान राजा बिना अनुमति के किसी दूसरे राजा से न तो कोई सन्धि करेगा और न ही युद्ध करेगा।
(ii) राजा को अपने किले में एक अंग्रेजी सेना अपने राज्य में रखनी होगी।

उत्तर - 15

1+1 15 संविधान सभा ने अस्पृश्यता उन्मूलन हेतु दिए निम्न दो सुझाव -
(i) संविधान सभा ने अनुचित जनजाति के लोगों को विधायिका तथा सरकारी नौकरियों में जाने की बात कही।
(ii) अल्पसंख्यकों को समान दर्जा दिया तथा उनके साथ समान ~~अवस्था~~ व्यवहार करने की सलाह दी।

BSER-L7/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड - स

उत्तर - 16

3

16. मौर्य वंश एक प्रमुख केन्द्र के रूप मे जाना जाता है। यहाँ के अधिकारी को भी इस वंश के रख-रखाव के लिए सूचित किया जाता है। इनके अधिकारी नदियों की देखरेख तथा भूमि मापन का कार्य करते है। पानी के बहाव को रोककर खेती मे प्रयोग लेते है। यहाँ शिकारियों का संचालन भी किया जाता है तथा उनके रख-रखाव की उचित व्यवस्था भी की गई है। यहाँ के अधिकारी भू-राजस्व का कार्य भी करते है तथा जमीन से जुडे हुए विशेष प्रकार के सामान तथा सामाग्री की देखरेख करते है।
मौर्य साम्राज्य मे प्रमुख राजनीतिक केन्द्र भी है- पाटलिपुत्र, तोसलि, राजगिरि, स्वर्णगिरि आदि इनके प्रमुख केन्द्र है।

उत्तर - 17

3

17. बौद्ध दर्शन की प्रमुख शिक्षाएँ निम्न है-
(i) विश्व अनित्य है तथा निरन्तर परिवर्तन शील है। और यह आत्मविहिन है।
(ii) यह संसार दुखों का घर है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) जन्म और मृत्यु से मुक्ति के लिए त्याग और तपस्या की जरूरत है और यह संसार के त्याग से ही सम्भव है।

(iv) अपने लिए ज्योति बनना तथा अपनी मुक्ति का मार्ग ढूंढना।

उत्तर - 18

2 | 18. मुगकालीन भारत में पंचायतो के कार्यों की विवेचना निम्न प्रकार है-

(i) मुगकालीन भारत में पंचायतो का कार्य गाँव के आय-व्यय की देखरेख करना था।

(ii) मुगकाल में पंचायत द्वारा किसी अपराधी को दण्डित करना तथा उस पर जुर्माना लगाना।

(iii) मुगकाल मे पंचायतो का कार्य जाति की अवहेलना को रोकना था तथा उसे किसी भी तरह से अपमानित नहीं करना।

(iv) मुगलकालीन भारत में पंचायतो का कार्य किसी दोषी व्यक्ति को गाँव से निष्कासित करना तथा उसे किसी भी प्रकार का अवसर प्रदान न करना।

उत्तर - 19

3 | 19. 1857 की अफवाहो पर लोग विश्वास कर रहे थे क्योंकि इन अफवाहो के कारण लोगों में डर शुरु हो गया तथा उनके

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जीवन में एक बाधा उत्पन्न हो गई। इस अफवाह ने लोगों की सोच को भी बदल दिया। इस अफवाह पर विश्वास के निम्न कारण थे-

(i) चर्बी वाले कारतूस → सैनिकों को 'एनफील्ड राइफल' दी जाती थी जिसे इस्तेमाल करने के लिए पहले उसे मुँह से काटना पड़ता था फिर उसे चलाया जाता था। उस पर चिकाई लगी हुई थी तथा यह अनुमान लगाया गया कि इसमें गाय और सुअर की चर्बी का प्रयोग किया गया था। अंग्रेजी सरकार ने भारतीयों के धर्म को नष्ट करने के लिए यह उपाय अपनाया तथा इस पर लोगों ने विश्वास भी कर लिया था।

(ii) आटे मे हड्डियों का चूरा मिला होना → सैनिकों के लिए जो आटा प्रयोग मे लाया जाता था। उसमें गाय तथा सुअर की हड्डियों का चूरा मिलाया गया था। जिसे बाजार में बेचा जा रहा था। सैनिकों को भी यह आटा खिलाया जा रहा था। इन दोनों अफवाहों से उनमे असन्तोष व्याप्त था तथा वह इन पर विश्वास कर रहे थे।

5

उत्तर - 20

5

20 बाबा गुरुनानक की प्रमुख ~~शिक्ष~~ शिक्षाएँ

द्वारा अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

आज भी प्रासंगिक है। जिनका महत्वपूर्ण रूप हमें देखने को मिलता है। इनकी शिक्षाओं से अनेक लोग प्रभावित हुए तथा उनके जीवन में भी सुधार आया।

(i) गुरुनानक ने बहुदेववाद, मूर्तिपूजा तथा विभिन्न कर्मकाण्डों का विरोध किया है।

(ii) गुरुनानक ने ईश्वर की उपासना पर बल दिया है।

(iii) बाबा गुरुनानक ने यज्ञ, दान तथा मूर्तिपूजा को झूठा बताया है तथा उसका विरोध किया है। उन्होंने निर्गुण भक्ति को अपनाया।

(iv) बाबा गुरुनानक ने ऊँच-नीच के भेदभाव को समाप्त करने पर बल दिया है।

(v) बाबा गुरुनानक ने मुक्ति का मार्ग अपनाया तथा भक्ति मार्ग पर बल दिया है।

(vi) बाबा गुरुनानक ने लोगों के जीवन को सुदृढ़ तथा प्रभावशाली बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यों को अपनाने का मार्ग बतलाया है।

उत्तर - 21

21. सविनय अवज्ञा आन्दोलन 12 मार्च 1930 को साबरमती आश्रम से दाण्डी तक की यात्रा थी। इस आन्दोलन को शुरुआत देने में गाँधीजी का योगदान रहा। इस आन्दोलन में उनके साथ 78 अनुयायियों ने भाग लिया तथा

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

यह यात्रा २५० कि.मी की थी। इस आन्दोलन को शुरू करने के पीछे गाँधीजी का यह मकसद था कि नमक का प्रयोग हर घर में होता है तथा सभी लोग इसका प्रयोग करते है। परन्तु अंग्रेजी ने उनके ऊपर प्रतिबन्ध लगा रखा था। उन्हे नमक बनाने का अधिकार नहीं था तथा उन्हे दुकानों से ऊँचे दाम पर नमक खरीदने के लिए बाध्य किया जाता था। इस घटना से गाँधी में असन्तोष व्याप्त हुआ और उन्होंने यह आन्दोलन करने के निर्णय लिया। वह साबरमती से दाण्डी 5 मार्च को पहुँचे तथा 6 अप्रैल को गाँधीजी ने नमक कानून तोड़ने का आह्वान किया तथा खुद गाँधीजी ने नमक बनाकर कानून तोड़ा। यह आन्दोलन अत्यन्त व्यापक था जिसे ब्रिटिश शासन को दबाना मुश्किल हो रहा था। इस आन्दोलन के उपरान्त गाँधीजी को जेल में भी डाल दिया और लोग इसका विरोध करने लगे। गाँधीजी यह आन्दोलन व्यक्तिगत प्रयोग में लिये जा रहे नमक पर किया जिसे सविनय अवज्ञा आन्दोलन की संज्ञा दी गई। इस आन्दोलन में गाँधीजी के साथ व्यापक जनता ने भी समर्थन किया और इसको आगे बढ़ाया। इस प्रकार यह आन्दोलन लोगों के लिए महत्वपूर्ण आन्दोलन था।

BSER-177/2024

Sl.No. : 2837

13–Hist.

SENIOR SECONDARY EXAMINATI... ...24

इतिहास
HISTORY

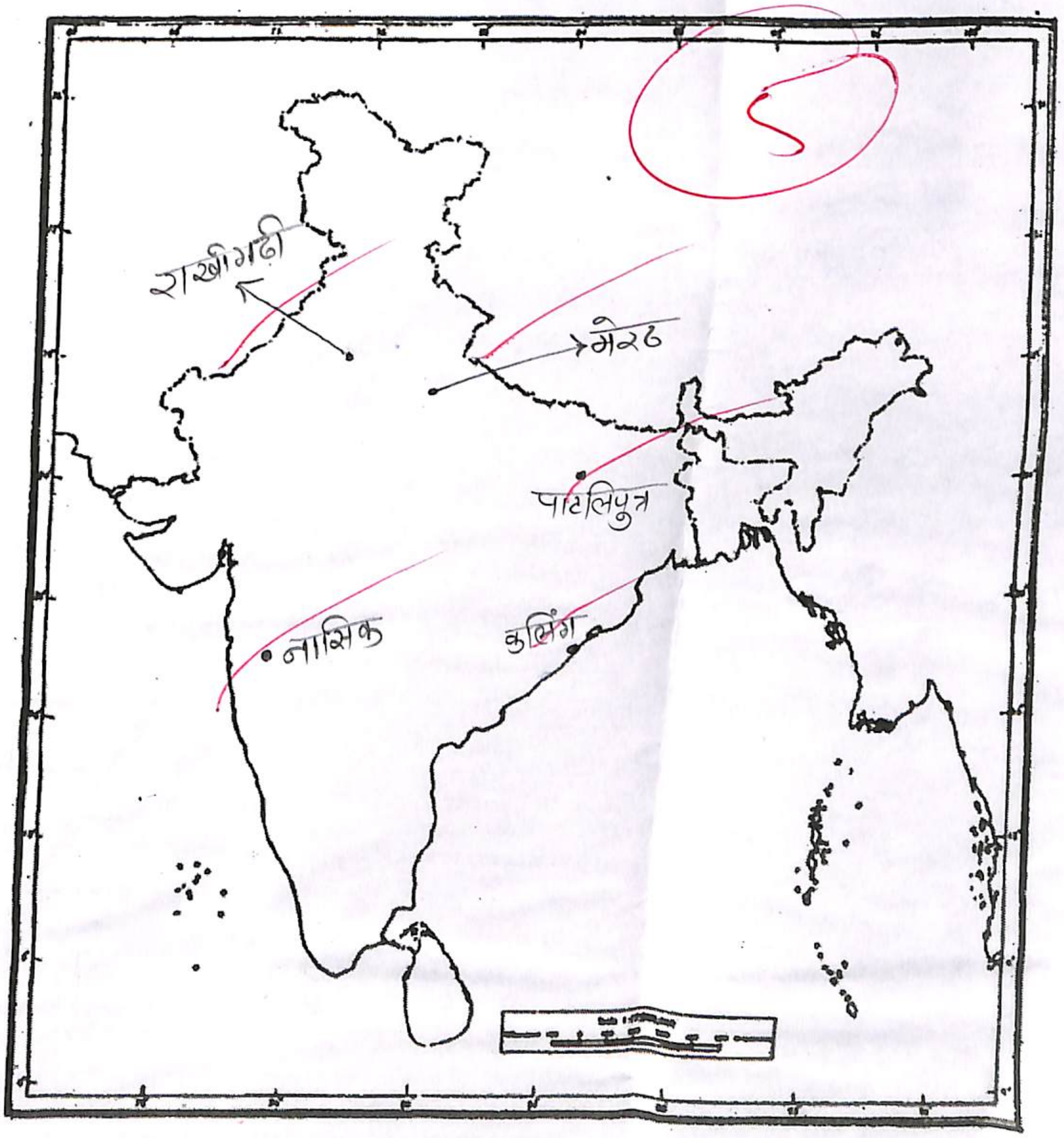

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		उत्तर - 22
	22	(अ) राखीगढ़ी (ब) नासिक
		(स) पाटलिपुत्र (द) कलिंग
		(य) मेरठ

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177 2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-177/2024

रीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177-2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-1/7/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024

30

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-177/2024